11.32 hrs

FELICITATIONS TO THE SPEAKER

प्रधान मंत्री (श्री नरेन्द्र मोदी) : आदरणीय अध्यक्ष महोदया जी, मैं सदन के सभी दलों का और सभी सदस्यों का हृदय पूर्वक अभिनंदन करता हूं कि सदन की महान परम्परा के अनुसार सर्वसम्मति से अध्यक्ष महोदया का निर्वाचन हुआ है। हम सबके लिए यह गौरव का विषय है कि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के इस मंदिर की व्यासपीठ पर एक महिला विराजित होकर, इसका पूरा संचालन करे, राष्ट्र की सामान्य मानविकी समस्याओं के लिए आपका मार्गदर्शन बहुत मूल्यवान रहेगा।

माननीय अध्यक्ष महोदया जी, इस सदन के लिए यह भी गर्व का विषय है कि आप इंदौर म्युनिसिपल कॉरपोरेशन के एक सामान्य सदस्य से लेकर कई दशकों तक सार्वजनिक जीवन में जनप्रतिनिधि के रूप में कार्य करते हुए इस सदन में पहुंची हैं और आठ बार इस सदन की सदस्या बनकर आपका अनुभव इस सदन के सुचारू रूप से संचालन में बहुत ही उपकारक होने वाला है।

इस सोलहवीं लोकसभा में एक ऐसा अवसर हमें प्राप्त हुआ है कि जब पहली बार लोक सभा का गठन हुआ था, करीब करीब वैसा ही एक अवसर हमें प्राप्त हुआ है कि जब देश में पहली लोक सभा का गठन हुआ, सभी सदस्य पहली बार आए थे। उसके बाद कई लम्बे अर्से के बाद एक ऐसे सदन का गठन हुआ है जिसमें करीब 315 सदस्य पहली बार चुनकर आए हैं। इसका तात्पर्य यह हुआ कि पुरानी कई परम्पराओं को छोड़कर, अच्छी नयी परम्पराओं का आरम्भ करते हुए, विश्व जिस लोकतंत्र के प्रति आशा की नज़र से देख रहा है, वैसा एक नया रूप विश्व के सामने प्रस्तुत करने का अवसर इस सदन को प्राप्त हुआ है। पुरानी महान परम्पराओं को आगे बढ़ाते हुए, यह जो नया रक्त आया है, नयी ऊर्जा आई है, वह अपने आप में विश्व के सामने एक सशक्त लोकतंत्र प्रस्तुत करने का एक अवसर इस सदन से बनेगा। यह लोकतंत्र का मंदिर नये सदस्यों के उत्साह और उमंग के कारण यह राष्ट्र के विकास की ऊर्जा का मंदिर भी बन सकता है। आपकी अध्यक्षता में, आपके मार्गदर्शन में, यह सदन अवश्य उस आशा और उन आकांक्षाओं की पूर्ति करने में सफल होगा। आपके नाम में ही गुण ऐसे हैं कि सबको मित्रता की अनुभूति होगी, सबको अपनेपन की अनुभूति होगी।

शास्त्रों में कहा गया है - महाजन येन गतः पंथाः। महाजन जिस राह पर चलते हैं उस राह पर चलना अच्छा होता है और यहां तो महाजन स्वयं विराजित हैं। इस सदन के लिए उस रास्ते पर चलना और अधिक उचित होगा। मैं आपको बहुत शुभकामनाएं देता हूं और विश्वास दिलाता हूं कि आपकी आशा और अपेक्षाओं के अनुरूप ये पूरा सदन आपके कार्य में सहयोग करते हुए भारत की सामान्य मानविक अपेक्षाओं

की पूर्ति में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। मैं फिर आपको एक बार बहुत शुभकामनाएं देता हूं और सभी दलों का हृदय से अभिनंदन करता हूं, धन्यवाद करता हूं जिनके समर्थन के कारण आज सर्वसम्मति से हम इस परंपरा को निभा पाए हैं।

HON. SPEAKER: Shri Arjun Ram Meghwal, Shrimati Darshana Vikram Jardosh and Shrimati Jayshreeben Kanubhai Patel are permitted to associate with the speech of the hon. Prime Minister.